पर्यावरण समिति रिपोर्ट 2024–2025

पर्यावरण के प्रति जागरूक संस्थान के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने कार्यों की जिम्मेदारी स्वयं लें और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ें। वर्ष 2024–2025 के दौरान पर्यावरण समिति द्वारा समन्वित एवं आयोजित गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

1. 30 दिवसीय पर्यावरण चुनौती

30 दिवसीय पर्यावरण चुनौती में भागीदारी ने सतत पर्यावरण के हमारे दृष्टिकोण को साकार करने में सहायता की। इस चुनौती के माध्यम से हमने ऐसे पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार विकसित करने का प्रयास किया, जो 30 दिनों की अवधि के बाद भी जारी रहें, विद्यार्थियों में सतत विकास की समझ को गहरा करें तथा उन्हें अपने पर्यावरणीय विकल्पों के प्रति अधिक जागरूक बनाएं।

प्रत्येक दिन विद्यार्थियों के लिए एक नई गतिविधि निर्धारित की गई, जिसका उद्देश्य उनके कार्बन फुटप्रिंट और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना था। 30 दिनों तक दैनिक दिनचर्या में किए गए छोटे, किंतु सार्थक और निरंतर परिवर्तनों ने विद्यार्थियों को पृथ्वी पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सहायता की।

विद्यार्थी अपने दैनिक जीवनशैली के विकल्पों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रति अधिक जागरूक हुए। इस गतिविधि ने उन्हें पर्यावरण-अनुकूल आदतों को अपनाकर सतत जीवनशैली विकसित करने में सहायता की, जैसे प्लास्टिक के उपयोग को कम करना, जल संरक्षण करना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना तथा अपशिष्ट कागज का पुनर्चक्रण करना।

रिपोर्ट का लिंक:
रिपोर्ट देखें

2. Eco-SDG Champ 2024 में सहभागिता

महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने Eco-SDG Champ 2024 की गतिविधियों में भाग लिया। यह चुनौती APEX SDG, हैदराबाद द्वारा आयोजित की गई थी। APEX SDG उच्च शिक्षा संस्थानों, उद्योगों, कॉरपोरेट्स और उद्यमों में सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के क्रियान्वयन हेतु एक सुविधा प्रदाता है तथा यह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) के अंतर्गत पंजीकृत है।

महाविद्यालय ने जून एवं जुलाई 2024 के दौरान सतत विकास से संबंधित हरित गतिविधियों को सफलतापूर्वक प्रदर्शित, आयोजित एवं पूरा किया। महाविद्यालय को सतत जीवनशैली में परिवर्तन के माध्यम से सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और सहयोग के लिए APEX SDG की ओर से प्रशंसा प्रमाण-पत्र भी प्राप्त हुआ।

3. अपशिष्ट संग्रहण अभियान (प्लास्टिक, ई-कचरा, कपड़े)

इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स की पर्यावरण समिति ने Rotary Club of Active IHE के सहयोग से तथा IQAC के तत्वावधान में 17 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2024 तक एक सप्ताह का अपशिष्ट संग्रहण अभियान आयोजित किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों से पुराने/प्रयुक्त कपड़े, प्लास्टिक अपशिष्ट तथा इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट (ई-कचरा) एकत्र करके सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देना था।

अपशिष्ट संग्रहण अभियान का उद्घाटन IHE की निदेशक प्रो. राधिका बख्शी ने डॉ. प्रतिमा सिंह एवं डॉ. केसर सिंह के साथ किया। छात्र समन्वयकों, सुश्री गीतांशी एवं सुश्री इशिता ने पूरे सप्ताह संग्रहण प्रक्रिया का सक्रिय रूप से प्रबंधन किया।

संस्थान के विभिन्न स्थानों पर निर्धारित संग्रहण केंद्र स्थापित किए गए। जागरूकता पोस्टरों एवं सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से सक्रिय भागीदारी के लिए विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया। एकत्रित सामग्री को व्यवस्थित रूप से तीन श्रेणियों—कपड़े, प्लास्टिक अपशिष्ट और ई-कचरा—में अलग किया गया।

इस पहल में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान 50 किलोग्राम से अधिक कपड़े, 05 किलोग्राम प्लास्टिक अपशिष्ट तथा 02 किलोग्राम ई-कचरा एकत्र किया गया। प्राप्त प्रतिक्रिया अपेक्षाओं से अधिक रही, जिसने पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति IHE समुदाय की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

एकत्रित कपड़े वंचित समुदायों के लिए कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को दान किए गए। प्लास्टिक अपशिष्ट को उचित प्रसंस्करण सुनिश्चित करने के लिए अधिकृत पुनर्चक्रण इकाइयों को सौंपा गया तथा ई-कचरे को पर्यावरणीय खतरों से बचाव हेतु प्रमाणित पुनर्चक्रण केंद्रों को भेजा गया।

अपशिष्ट संग्रहण अभियान अत्यंत सफल रहा और इसने सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा दिया। पर्यावरण समिति, Rotary Club of Active IHE, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों ने इस पहल को सार्थक प्रभाव प्रदान किया। इस अभियान ने IHE में भविष्य की पर्यावरणीय पहलों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया तथा संस्थान की पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

पर्यावरण समिति सभी शिक्षकों, छात्र स्वयंसेवकों एवं सभी प्रतिभागियों के सहयोग और उत्साह के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती है।

4. अपशिष्ट कागज पुनर्चक्रण पर कार्यशाला

पर्यावरण समिति ने Eco-Club 'Prakritik' तथा Rotaract Club of Activa Delhi IHE के सहयोग से 6 नवंबर 2024 को सतत विकास एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'अपशिष्ट कागज पुनर्चक्रण पर व्यावहारिक कार्यशाला' का आयोजन किया।

प्रशिक्षक ने विद्यार्थियों को पुनर्चक्रण की पूरी प्रक्रिया समझाई, जिसमें अपशिष्ट कागज को छांटने एवं छोटे टुकड़ों में विभाजित करने से लेकर उसे पानी में भिगोने और मिश्रित करके मुलायम पल्प तैयार करने तक की प्रक्रिया शामिल थी। विद्यार्थियों ने पल्प को स्क्रीन पर फैलाकर समान आकार की कागज की शीट तैयार करने में सक्रिय भागीदारी की।

कागज को अधिक आकर्षक बनाने के लिए उसमें सूखे फूलों की पंखुड़ियाँ मिलाई गईं, जिससे पुनर्चक्रित कागज को सुंदर एवं प्राकृतिक रूप प्राप्त हुआ। अतिरिक्त पानी को सावधानीपूर्वक निकालने के बाद शीटों को दबाकर सुखाया गया और इस प्रकार पुनर्चक्रण की प्रक्रिया पूरी की गई।

विद्यार्थियों ने कागज बनाने की प्रत्येक प्रक्रिया में उत्साहपूर्वक भाग लिया और व्यावहारिक अनुभव का आनंद लिया। कार्यशाला ने न केवल विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया, बल्कि पुनर्चक्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी सुदृढ़ किया।

5. दिल्ली विश्वविद्यालय में सतत विकास पर सम्मेलन में सहभागिता

'वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में भारत की परिकल्पना: COP2S का पुनरावलोकन' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 'जैव विविधता पर अभिसमय एवं प्रकृति-सकारात्मक विश्वविद्यालयों की भूमिका' पर पूर्ण सत्र में सहभागिता

पर्यावरण समिति ने Eco-Club 'Prakritik', IHE के सहयोग से 28 अगस्त 2024 को 'Envisaging Bharat as Voice of Global South: Revisiting COP2S' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। इस संगोष्ठी ने वैश्विक पर्यावरणीय विमर्श एवं नीति-निर्माण में भारत की बढ़ती भूमिका पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण "जैव विविधता पर अभिसमय एवं प्रकृति-सकारात्मक विश्वविद्यालयों की भूमिका" विषय पर आयोजित पूर्ण सत्र था, जिसमें शैक्षणिक ढांचे में पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को समाहित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

शिक्षकों एवं छात्र प्रतिनिधियों ने अत्यंत उत्साह एवं सीखने की जिज्ञासा के साथ सत्र में भाग लिया। उनकी सक्रिय सहभागिता ने यह प्रदर्शित किया कि शैक्षणिक प्रयास वास्तविक जीवन की पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इस कार्यक्रम का आयोजन इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) के सहयोग से किया था। समग्र रूप से, संगोष्ठी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए नए विचारों एवं रणनीतियों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया तथा सतत विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

'International Board Room' में विद्यार्थियों की सहभागिता

पर्यावरण समिति एवं Eco-Club 'Prakritik' ने 28 अगस्त 2024 को इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) के सहयोग से आयोजित 'International Board Room' कार्यक्रम में भी भाग लिया।

इस सत्र का संचालन विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। उन्होंने अपने-अपने संस्थानों द्वारा अपनाई गई विशिष्ट पर्यावरणीय प्रथाओं एवं पहलों को प्रस्तुत किया। इन प्रथाओं ने प्रत्येक महाविद्यालय की पर्यावरण समिति या Eco-Club द्वारा किए गए नवाचारपूर्ण प्रयासों को प्रदर्शित किया।

बोर्ड रूम ने व्यावहारिक विचारों एवं रणनीतियों के आदान-प्रदान के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थियों ने अपने पर्यावरणीय प्रयासों को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी अनुभव एवं सुझाव साझा किए। संवादात्मक चर्चा ने प्रतिभागियों को अपने विचारों एवं अनुभवों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समग्र रूप से, इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ सतत पर्यावरणीय समाधानों को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ किया।

6. ई-कचरा प्रबंधन

महाविद्यालय ने ई-कचरा (प्रबंधन) नियमों के अनुसार ई-कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए MTPC (Metal Scrap Trade Corporation Limited) **के साथ पंजीकरण कराया। ई-कचरे की नीलामी के लिए एक उप-समिति का गठन किया गया है। यह समिति नीलामी हेतु महाविद्यालय से निस्तारित किए जाने वाले ई-कचरा पदार्थों की समेकित सूची तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।**

ई-कचरा पोर्टल पर पंजीकृत महाविद्यालय होने के प्रावधान के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के रेडियोलॉजिकल सेफ्टी ऑफिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के ई-कचरा सलाहकार सहित विशेषज्ञों की एक टीम ई-कचरा सामग्री के भौतिक सत्यापन के लिए महाविद्यालय का दौरा करती है। इसके बाद आंतरिक उप-समिति नीलामी के लिए वस्तुओं को वेबसाइट पर अपलोड करती है। तत्पश्चात वस्तुओं को ई-कचरा निस्तारण एवं संग्रहण के लिए जिम्मेदार संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया जाता है।

पर्यावरण समिति द्वारा की गई एक अन्य पहल ई-कचरा संग्रहण के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर-सरकारी संगठनों/कंपनियों के साथ अनुबंध करना है। महाविद्यालय द्वारा CPP **पोर्टल** (Central Public Procurement Portal) **पर आवश्यक नियमों एवं शर्तों के साथ ई-टेंडर जारी किया गया। वित्तीय मूल्यांकन एवं निविदा की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के बाद ऐसी कंपनी के साथ अनुबंध किया गया, जो अनुपयोगी/अप्रचलित वस्तुओं तथा पुराने** IT **उपकरणों/इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं एवं ई-कचरे के निस्तारण का कार्य करती है।**

ई-कचरा उप-समिति यह सुनिश्चित करती है कि महाविद्यालय में एकत्रित आवश्यक ई-कचरा प्रत्येक वर्ष संबंधित कंपनी को सौंप दिया जाए।

विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के बीच ई-कचरे के उचित निस्तारण के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए पर्यावरण समिति द्वारा ई-कचरा संग्रहण अभियान एवं संवादात्मक सत्र भी आयोजित किए जाते हैं।

7. Aerobin के माध्यम से जैविक अपशिष्ट प्रबंधन

इस पहल का उद्देश्य अपशिष्ट उत्पादन को कम करना, पर्यावरण प्रदूषण को न्यूनतम करना तथा लैंडफिल स्थलों पर पड़ने वाले भार को कम करना है। पुनर्चक्रण की दर बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को स्रोत स्तर पर अपशिष्ट को प्रभावी ढंग से अलग-अलग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रत्येक विभाग जैविक, कागज एवं प्लास्टिक अपशिष्ट को अलग करने के लिए जिम्मेदार है, जबकि छात्र स्वयंसेवक पूरे परिसर में उचित अपशिष्ट पृथक्करण सुनिश्चित करते हैं। विभिन्न विभागों एवं कैंटीन से एकत्रित जैविक अपशिष्ट को Aerobins **में संसाधित किया जाता है, जिससे इसे जैविक खाद में परिवर्तित किया जाता है तथा संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा मिलता है।**

Project SORT **के अंतर्गत**, Environment & Community Outreach Committee **ने** RMDA **विभाग तथा** Indian Pollution Control Association (IPCA) **के सहयोग से परिसर में** Aerobins **स्थापित किए हैं। ये नवीन जैविक पुनर्चक्रण प्रणालियाँ जैविक अपशिष्ट को स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से पोषक तत्वों से भरपूर कम्पोस्ट में परिवर्तित**

करती हैं तथा प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में योगदान देती हैं।

8. ई-कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र

ई-कचरा प्रबंधन एवं ई-कचरा संग्रहण अभियान से संबंधित जागरूकता सत्र का आयोजन Attero Recycling Pvt. Ltd. के सहयोग से 9 अप्रैल 2025 को किया गया। इस सत्र का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक कचरे के अनुचित निस्तारण से जुड़े पर्यावरणीय एवं स्वास्थ्य संबंधी खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना तथा घरेलू एवं संस्थागत स्तर पर जिम्मेदार पुनर्चक्रण प्रथाओं को बढ़ावा देना था।

मुख्य वक्ता, सुश्री अंशिका, Attero Recycling Pvt. Ltd. ने भारत में ई-कचरे की वर्तमान स्थिति, इसके पर्यावरण पर प्रभाव तथा इसके सतत निस्तारण के तरीकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

प्रतिभागियों ने सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया, प्रश्न पूछे तथा उचित ई-कचरा प्रबंधन के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर ई-कचरा संग्रहण अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को जिम्मेदारीपूर्वक पुनर्चक्रण हेतु एकत्र किया गया और उन्हें Attero Recycling Pvt. Ltd. को सौंप दिया गया।

यह पहल विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार विकसित करने तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरे के जिम्मेदार निस्तारण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

Environment Committee Report 2024-2025

As an environmentally conscious institute, it is our responsibility to take charge of our actions and lead on the path to sustainability. The activities coordinated and conducted by the Environment Committee during the year 2024-2025 are as follows:

1. 30 Days Environment Challenge

Participation in the 30-day environment challenge helped to fulfil our vision for a sustainable environment. Through this challenge, we tried to build eco-friendly habits that would last beyond the 30 days, deepen students' understanding of sustainability, and inspire them to be more conscious of their environmental choices. Each day presented a new task for students to complete in order to reduce their carbon footprint and environmental impact. The small, yet meaningful and consistent changes in daily routine continuously for 30 days helped students bring greater impact on the planet. Students became more aware of the impact of daily lifestyle choices on the environment. It helped them inculcate the habit of sustainable living by adopting eco-friendly habits, like reducing plastic use, conserving water, using public transport, or recycling waste paper.
Link for the report :
https://drive.google.com/file/d/1I3C2MjA_wcdtbzQdGi6SLspT7-1HumS5/view?usp=sharing

National EduTrust of India
(Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039500))
Green Ambassador Certificate
This certificate is proudly awarded to Sneha Sharma of Institute of Home Economics University of Delhi in recognition of his/her commitment and active participation and completion of the 30-Day Environment Challenge. As a Green Ambassador, your dedication to promoting environmental sustainability has made a significant impact. Your efforts in adopting and advocating eco-friendly practices have set a positive example for others to follow and have contributed to a greener, more sustainable future.
Deepika Bakshi
Director NEI
Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer
Date of issue: 12.09.2024
Unique Certificate No: NEI/GEC/7043

National EduTrust of India
Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039500)
ECO-FRIENDLY COLLEGE CERTIFICATE
This is to certify that
Institute of Home Economics
University of Delhi
has successfully completed the 30-Day Environment Challenge and has shown outstanding dedication to advancing environmental sustainability. Through active participation, the college has made significant strides in fostering a greener and more sustainable campus environment. The collective efforts of the Principal, Nodal Officer, Faculty, and Students in adopting eco-friendly practices have earned the college recognition as a distinguished Eco-Friendly Institution.
Deepika Bakshi
Director, NEI
Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer
Date of Issue:12.09.2024
Certificate No: NEI/5096

National EduTrust of India
(Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039500))
Green Ambassador Certificate
This certificate is proudly awarded to Geetanshi Mongia of Institute of Home Economics University of Delhi in recognition of his/her commitment and active participation and completion of the 30-Day Environment Challenge. As a Green Ambassador, your dedication to promoting environmental sustainability has made a significant impact. Your efforts in adopting and advocating eco-friendly practices have set a positive example for others to follow and have contributed to a greener, more sustainable future.
Deepika Bakshi
Director NEI
Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer
Date of issue: 12.09.2024
Unique Certificate No: NEI/GEC/7041

National EduTrust of India
(Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039500))
Green Ambassador Certificate
This certificate is proudly awarded to Swetha P of Institute of Home Economics University of Delhi in recognition of his/her commitment and active participation and completion of the 30-Day Environment Challenge. As a Green Ambassador, your dedication to promoting environmental sustainability has made a significant impact. Your efforts in adopting and advocating eco-friendly practices have set a positive example for others to follow and have contributed to a greener, more sustainable future.
Deepika Bakshi
Director NEI
Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer
Date of issue: 12.09.2024
Unique Certificate No: NEI/GEC/7042

National EduTrust of India
(Registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India (UDYAM-CH-01-0039500))
Green Ambassador Certificate
This certificate is proudly awarded to Ayana of Institute of Home Economics University of Delhi in recognition of his/her commitment and active participation and completion of the 30-Day Environment Challenge. As a Green Ambassador, your dedication to promoting environmental sustainability has made a significant impact. Your efforts in adopting and advocating eco-friendly practices have set a positive example for others to follow and have contributed to a greener, more sustainable future.
Deepika Bakshi
Director NEI
Mr. Samarth Sharma
Chief Executive Officer
Date of issue: 12.09.2024
Unique Certificate No: NEI/GEC/7046

2. Participation in Eco-SDG Champ 2024

College students participated in Eco-SGD Champ activities 2024, a challenge organised by APEX SDG, Hyderabad, a Facilitator for implementing Sustainable Development Goals (SDGs) in Higher Education Institutions, Industries, Corporates and Enterprises, and is registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME). The college successfully demonstrated, conducted and completed Sustainable Development green activities during June & July 2024. College also received an appreciation certificate from APEX SGD for its commitment and collaboration for achieving sustainability in actions through lifestyle changes.

WORLD ENVIRONMENT DAY

APEX SDG

Certificate

Certi No: AS-WED-B3-24-75

Eco-SDG Champ 2024

This is to certify that INSTITUTE OF HOME ECONOMICS, UNIVERSITY OF DELHI, DELHI, NEW DELHI is hereby recognized for its Eco-SDG Champ activities 2024 by APEX SDG, Hyderabad . The Institution has successfully demonstrated, conducted and completed Sustainable Development green activities during June & July 2024 .The Collaboration with APEX SDG is appreciated.

Shri Sudheer Kumar
ED- APEX SDG

APEX SDG

APEX SDG (and its Consortium for Eco-SDG Championship 2024 is a Facilitator for implementing Sustainable Development Goals (SDGs) in Higher Education Institutions, Industries, Corporates and Enterprises, and is registered under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME).

Sustainability in Industries/Corporates/Educational Institutions/Business Fraternities

Skilling through Internships APEX SDG

3. Waste collection drive (plastic, e-waste, cloth)

The Environment Committee of the Institute of Home Economics, in collaboration with the Rotary Club of Active IHE and under the aegis of IQAC, organized a week-long Waste Collection Drive from October 17 to October 24, 2024. The primary aim of this initiative was to promote sustainable waste management by collecting used clothes, plastic waste, and electronic waste (e-waste) from students, faculty and other employees.

The Waste Collection Drive was inaugurated by Prof. Radhika Bakhshi, Director of IHE, along with Dr. Pratima Singh and Dr. Kesar Singh. The student coordinators, Ms. Geetanshi and Ms. Ishita, actively managed the collection process throughout the week.

Designated collection points were set up at various locations within the institute. Awareness posters and social media campaigns encouraged active participation. The collected materials were systematically segregated into three categories: clothing, plastic waste, and e-waste.

The initiative witnessed enthusiastic participation from students, faculty members, and other stakeholders. Over 50 kg of clothing, 05 kg of plastic waste, and 02 kg of e-waste were collected during the drive. The response exceeded expectations, highlighting the commitment of the IHE community toward environmental sustainability.

The collected clothes were donated to NGOs working for underprivileged communities, plastic waste was handed over to authorized recycling units to ensure responsible processing and e-waste was sent to certified recycling facilities to prevent environmental hazards.

The Waste Collection Drive was a resounding success, fostering awareness and action toward sustainable waste management. The collective effort of the Environment Committee, the Rotary Club of Active IHE, faculty members, and students contributed to the meaningful impact of the initiative. This drive has set a precedent for future environmental initiatives at IHE, reinforcing the institute's commitment to eco-friendly practices.

The Environment Committee extends heartfelt gratitude to all faculty members, student volunteers, and all participants for their support and enthusiasm.

4. Workshop on Waste Paper Recycling

The Environment Committee, in collaboration with Eco-Club 'Prakritik' and Rotaract Club of Activa Delhi IHE, organized a 'Hands-on Workshop on Waste Paper Recycling' on 6th November 2024 to promote sustainability and eco-friendly practices. The instructor guided students through the entire recycling process, from sorting and shredding waste paper to soaking and blending it into a smooth pulp. Students actively participated in spreading the pulp on screens to form uniform sheets. To enhance the aesthetic appeal, dried flower petals were added, giving the recycled paper a beautiful and natural look. The excess water was carefully drained, and the sheets were pressed and dried to complete the process. Students enthusiastically engaged in every step, enjoying the hands-on experience of paper-making. The workshop not only provided practical learning but also reinforced the importance of recycling and environmental conservation.

5. Participation in Conference on Sustainability in DU

Participation in International Seminar on 'Envisaging Bharat as voice of Global South: Revisiting COP2S' and Plenary Session on 'Role of Convention on Biodiversity and Nature Positive Universities'
The Environment Committee in collaboration with Eco-Club 'Prakritik' of IHE took part in the International Seminar titled 'Envisaging Bharat as Voice of Global South: Revisiting COP2S' on August 28th, 2024. The seminar provided a platform to discuss India's growing role in global environmental debates and policy-making. A key highlight was the plenary session on the "Role of Convention on Biodiversity and Nature Positive Universities," which focused on integrating environmental stewardship within academic frameworks. Faculty and student representatives attended the session with great enthusiasm and eagerness to learn. Their active participation showed how academic efforts can address real-world environmental challenges. The event was organized by Indraprastha College for Women in collaboration with the Indian Council for Social Science Research (ICSSR). Overall, the seminar encouraged the sharing of new ideas and strategies for environmental conservation, demonstrating a strong commitment to sustainability.
Participation of students in 'International Board Room'
The Environment Committee and Eco-Club 'Prakritik' also participated in the 'International Board Room' event organized by Indraprastha College for Women in collaboration with the Indian Council for Social Science Research (ICSSR) on August 28th, 2024. The session was notably led by student representatives from various colleges, who showcased the unique environmental practices adopted by their respective institutions. These practices reflected the innovative initiatives undertaken by each college's Environment Committee or Eco-Club. The board room provided a dynamic platform for the exchange of practical ideas and strategies, as students from diverse backgrounds shared insights on enhancing their environmental efforts. The interactive discussion encouraged participants to freely exchange their thoughts and experiences. Overall, the event not only fostered collaboration among the students but also reinforced their commitment to advancing sustainable environmental solutions.

6. E-waste Management

The college had registered with MTPC (Metal Scrap Trade Corporation Limited) to initiate the process of e-waste Management as per E-waste (Management) Rules. A subcommittee has been formed for e –waste auction. The committee is responsible for preparing a consolidated list of e-waste materials to be disposed of from college for the auction. As per the clause of being a registered college on the e-waste portal, a team of

experts that includes the Radiological Safety Officer, Delhi University, e waste consultant, Delhi University visits college for physical verification of the e-waste materials. The internal subcommittee then uploads items on the website for auction. The items are then handed over to the concerned authorities responsible for e-waste disposal collection.

The other initiative taken by the environment committee is signing a contract with non-governmental organizations/companies that work in the area of e-waste collection. An E-tender was floated by the college on the CPP portal (Central Public Procurement Portal) with the required terms and conditions. After financial evaluation and ensuring that it fulfilled all the requirements of the tender, a contract has been signed with a company who works for disposal of obsolete/unserviceable items and e-waste obsolete IT equipment/electronic items. The subcommittee for e waste ensures the handing over of the required e-waste of the college annually to the company.

E-waste drives and interactive sessions are also organised by the environment committee for creating awareness for e-waste disposals among students, faculty and non-teaching staff of the college.

7. Organic Waste Management through Aerobin

This initiative aims to reduce waste generation, minimize environmental pollution, and ease the burden on landfill sites. To enhance recycling rates, students and staff are encouraged to segregate waste effectively at the source. Each department is responsible for separating organic, paper, and plastic waste, while student volunteers ensure proper waste segregation across the campus. Organic waste collected from various departments and the canteen is processed in Aerobins, transforming it into organic manure and promoting sustainable resource utilization.

As part of Project SORT, the Environment & Community Outreach Committee, in collaboration with the Department of RMDA and the Indian Pollution Control Association (IPCA), has installed Aerobins on campus. These innovative organic recycling systems efficiently convert organic waste into nutrient-rich compost in a clean and eco-friendly manner, contributing to effective solid waste management.

8. Awareness Session on E-Waste Management

Awareness Session on E-Waste Management and w-waste collection drive in collaboration was organised in collaboration with Attero Recycling Pvt. Ltd. on 9th April 2025. The session aimed to create awareness on the environmental and health hazards associated with improper disposal of electronic waste and to promote responsible recycling practices at household and institutional level. Keynote speaker, Ms. Anshika from Attero Recycling Pvt. Ltd. shared valuable insights into the current scenario of e-waste in India, its impact on the environment, and sustainable disposal methods.
Participants actively engaged in the session, asking questions and gaining awareness about the importance of proper e-waste management. An e-waste collection drive was also conducted, in which various electronic items were responsibly collected for recycling and were handed over to Atthero Recycling Pvt. Ltd. The initiative was a step forward in fostering eco-conscious behavior and encouraging the responsible disposal of electronic waste among students and staff.